पोषण आहार किट का किया वितरण

निवाली। प्रधानमंत्री टीबी मुक्त भारत अभियान के तहत सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में शुक्रवार को निक्षय मित्र द्वारा पोषण आहार किट (पैकेट) वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें डीटीओ डॉ राजेश गुप्ता ने बताया कि टीबी से ग्रसित मरीजों के लिए प्रोटीन युक्त आहार बहुत जरुरी हैं। इससे मरीजों की रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती हैं। मरीजों को पोष्टिक आहार के साथ दवाइयों के नियमित सेवन करने के महत्व के बारे में समझाया। जनप्रतिनिधि कन्हैयालाल सिसोदिया द्वारा क्षेत्रीय भाषा में उपचार रत मरीजों को टीबी के बारे समझाया। टीबी जैसी गंभीर बीमारी को खत्म करने के लिए समाज के हर वर्ग की भागीदारी आवश्यक हैं। कार्यक्रम में जस्मा बाई पटेल, श्याम पंडित, महेश वरसाले, कन्हैया धनगर, महेन्द्र राठौर, जिले से डीटीओ डॉ राजेश गुप्ता, एसटीएस सुकांत विश्वास, डॉ एमएस जमरे, डॉ ज्योति ठाकुर, डॉ सुरेश मेहता, डॉ मोहित वर्मा, डॉ गौतम वर्मा, डॉ पीएस सोलकी उपस्थित थे।

स्वच्छता मित्रों को दी ऑन जॉब ट्रेनिंग

पानसेमल। नगर परिषद में कार्यरत स्वच्छता मित्रों को स्वच्छ भारत मिशन (शहरी) एवं स्वच्छ सर्वेक्षण 2025-26 के अंतर्गत ट्रेनिंग दी गई। नगर परिषद कार्यालय से मिली जानकारी के अनुसार सीएमओ संतराम चौहान के निर्देश पर सफाई मित्रों की सुरक्षा एवं स्वच्छता व्यवस्था को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से सीवर एवं सेप्टिक टैंक की मशीनीकृत सफाई को लेकर ऑन जॉब ट्रेनिंग दी गई। प्रशिक्षण के दौरान सफाई मित्रों को यह समझाया कि सेप्टिक टैंक एवं सीवर की सफाई कार्य केवल मशीनीकृत तरीके से ही की जाए, ताकि किसी भी प्रकार की दुर्घटना एवं स्वास्थ्य जोखिम से बचा जा सके। सफाई मित्रों को कार्य के दौरान पीपीई किट, सेफ्टी ग्लब्स, गमबूट, हैलमेट, मास्क, सेफ्टी बैल्ट सहित आवश्यक सुरक्षा उपकरणों का अनिवार्य रूप से उपयोग करने की समझाईश दी गई। ताकि वे संक्रमण एवं दुर्घटनाओं से सुरक्षित रहे। नगर परिषद पानसेमल द्वारा आयोजित ऑन जॉब ट्रेनिंग सफाई मित्रों के कौशल विकास, उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करने तथा नगर में स्वच्छ एवं सुरक्षित स्वच्छता व्यवस्था को मजबूत करने की

शासकीय महाविद्यालय पहुंच मार्ग एवं पुलिया का होगा निर्माण

4 .33 करोड़ की लागत से होने वाले निर्माण कार्य का भूमिपूजन, पीजी कॉलेज के लिए किया आश्वस्त

पानसेमल, (नवभारत)।

अटल बिहारी वाजपेई शासकीय महाविद्यालय में विधायक श्याम बर्डे ने विद्यार्थियों, जनप्रतिनिधियों एवं ग्रामीणों के साथ 4 करोड़ 33 लाख राशि की लागत से निर्माण होने वाले 2 पुलिया एवं मार्ग का भूमिपूजन किया। कार्यक्रम का शुभारंभ मंच पर मां सरस्वती के पूजन के साथ हुआ। जिसके बाद अतिथि सत्कार किया गया। राम सोनाने ने कहा कि महाविद्यालय सहित क्षेत्र की कई समस्याओं का निराकारण कराया है। विधायक श्याम बर्डे द्वारा लगातार विकास कार्यों की सौगात दी जा रही है। पूर्व बीइओ बीएस पावरा ने कहा कि आज के बच्चे देश के भविष्य बनेंगे। सभी के प्रयत्नों से

महाविद्यालय स्थापित हुआ है। बच्चों के उज्ज्वल भविष्य को देखते हुए निरन्तर प्रयास जारी है।

संस्था प्राचार्य संगीता भंडारी ने कहा कि विद्यार्थियों के आवागमन की समस्या को देखते हुए पहुंच मार्ग और पुलिया स्वीकृत हुआ है। यह बड़ी उपलब्धि है। प्राचार्य ने अतिथियों एवं उपस्थितजनों का अभिनंदन कर आभार जताया।

विधायक ने कहा पीजी महाविद्यालय नहीं होने से कई विद्यार्थियों की पढ़ाई छूट जाती है। इसलिए मंत्रियों एवं अधिकारियों से चर्चा कर शीघ्र ही पीजी महाविद्यालय बनाया जाएगा। हमारे बेटे-बेटियों को 50 से 100 किमी नहीं जाना पड़ेगा। ग्रामीणों की समस्याओं के समाधान के लिए निरंतर प्रयास किया जा रहा है। अध्यापन कार्य प्रभावित नहीं हो इसलिए जिले से ही प्राध्यापकों की नियुक्ति की गई है। विद्यार्थियों से सकारात्मक सोच रखकर ही आगे बढ़ने की बात कही।

गौरतलब है कि नगर में कॉलेज बने लगभग 5 वर्ष हो चुके थे, लेकिन विद्यार्थियों को असुविधाजनक मार्ग से होकर कॉलेज आना-जाना पड़ता था। इस गंभीर समस्या को ध्यान में रखते हुए विधायक ने मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव से भेंट कर इस मार्ग के विस्तार के लिए तत्काल स्वीकृति दिलवाई। यह सड़क कॉलेज से होकर तहसील एवं एसडीएम कार्यालय, आवासीय परिसर, विद्यालय मार्ग तथा नगर के प्रमुख धार्मिक स्थल शिव टेकड़ी से जुड़ते हुए नगर को जोड़ेगी। इस सड़क के निर्माण से नगर एवं ग्रामीण क्षेत्रवासियों को सुगमता होगी। इस अवसर पर जनपद अध्यक्ष शीला विनोद वसावे, अध्यक्ष प्रतिनिधि विनोद वसावे, जनपद सदस्य जगदीश भंडारी, किशोर वारुडे, वार्ड 2 पार्षद सलोनी राणा, सरपंच रामलाल परमार, सुनील जाधव, सरपंच प्रतिनिधि, अमरसिंह बरडे, अजय आर्य, जिला महामंत्री सचिन चौहान, जिला उपाध्यक्ष राम सोनाने, जनभागीदारी समिति अध्यक्ष सचिन चौहान, वरिष्ठ नेता देवराज पाटिल, मंडल अध्यक्ष चंद्रकांत महाजन, स्टॉफ, विद्यार्थी एवं अन्य उपस्थित रहे। संचालन डॉ सुनील बागले ने किया।

दिलवाई स्वीकृति

- विधायक ने मुख्यमंत्री से भेंट कर दिलवाई स्वीकृति।
- ग्रामीणों को होगी सुगमता

जिले में 12 से 31 जनवरी तक होगा खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन

बड़वानी। जिला खेल एवं युवा कल्याण अधिकारी जिला बड़वानी द्वारा प्राप्त जानकारी के अनुसार खेलो एमपी यूथ गेम्स 2026 का आयोजन जूनियर आयु वर्ग में खेलों की लोकप्रियता और सम्बंधित खेल में प्रतिवर्ष होने वाली राज्य स्तरीय प्रतियोगिताओं को दृष्टिगत रखते हुए किया जा रहा है।

इसका आयोजन विकासखंड, जिला, संभाग और राज्य स्तर पर 12 से 31 जनवरी 2026 के मध्य किया जाना है, इस आयोजन में विकासखंड स्तरीय चयन ट्रायल 16 जनवरी और जिला स्तरीय प्रतियोगिता 19 जनवरी को आयोजित होगी।

नगर परिषद को मिला आईएसओ सर्टिफिकेट

पानसेमल, (नवभारत)।

नगर परिषद को आईएसओ सर्टिफिकेट प्राप्त हुआ है। नप सीएमओ संतराम चौहान ने बताया के नगर निकाय द्वारा संचालित सेवाओं का सुचारू संचालन, नागरिकों की सुविधाएं तथा जनकल्याणकारी योजनओं को हितग्राहियों तक पहुंचाने व निकाय की कार्यप्रणाली व अन्य मानकों के आधार पर आइएसओ सर्टिफिकेट मिला है। पूर्व में भी आइएसओ प्रमाण-पत्र प्राप्त है। आइएसओ सर्टिफिकेट अंतरराष्ट्रीय मानक है। इसमें हितग्राही, व्यक्ति व नियामक सेवाओं का निरंतर प्रदान करना आवश्यक होता है। जिससे नागरिकों की संतुष्टि बढती है। साथ ही कार्यदक्षता में सुधार भी होता है। निकाय द्वारा आवेदन किए जाने पर परीक्षण के बाद रोज सर्टिफिकेशन सर्विसेस द्वारा आईएसओ 9001:2015 (क्यूएमएस) सभा ग्रह में प्रदाय किया है।

आंगनवाड़ी केन्द्र क्रमांक 2 लोनसरा में नहीं है आंगनवाड़ी कार्यकर्ता का पद

बड़वानी। आंगनवाड़ी केन्द्र क्रमांक 2 लोनसरा में आंगनवाड़ी कार्यकर्ता को कोई भी पद रिक्त नही है। केन्द्र पर पदस्थ सहायिका ही आंगनवाड़ी कार्यकर्ता के पद पर पदोन्नत होगी अत: विज्ञापन में जारी पद को शून्य माना जाए। परियोजना अधिकारी बड़वानी से प्राप्त जानकारी अनुसार आंगनवाड़ी केन्द्र क्रमांक 2 लोनसरा में 2 मार्च 2026 को रिक्त होने वाला पद मानते हुए पूर्व में विज्ञापन जारी किया गया था, विज्ञापन में संशोधन के पश्चात अब उक्त केन्द्र पर प्राप्त आवेदन पर विचार नहीं किया जाएगा।

चन्द्रयान मिशन कार्यक्रम दिखाया

नवभारत न्यूज़
निवाली, 10 जनवरी.

नगर में प्रोजेक्ट के माध्यम से चन्द्रयान मिशन 1, 2, 3 कार्यक्रम दिखाया गया। कार्यक्रम के बारे में छात्राओं व शिक्षकों से उत्कृष्ट प्रतिक्रिया मिली। कार्यक्रम में करीब 548 छात्राएं, 27 शिक्षक एवं शिक्षिकाएं उपस्थित रहे।

संस्था के प्रधानपाठक बापुराव कापूरे ने देते हुए बताया कि छात्राओं को चंद्रयान, इसरो, अंतरिक्ष संबंधी महत्वपूर्ण जानकारी देने के लिए पोलाद कंपनी और जय अंबे ट्रेडर्स निवाली के द्वारा गुरुवार को कार्यक्रम आयोजित किया गया। सभी छात्राओं ने बड़े उमंग और उत्साह से कार्यक्रम को देखा। छात्रों को चंद्रयान के माध्यम से चंद्रमा पर उपलब्ध संभावनाओं का उपयोग तकनीकी द्वारा किस प्रकार बेहतर उपयोग हो सके। छात्राओं को बताया कि वर्ष 2040 तक हमें उन संसाधनों का उपयोग सुनिश्चित करना है। विद्यालय में आकाश गंगा कार्यक्रम के डी वीडियो के माध्यम से चंद्रयान मिशन 1, 2, 3 को दिखाया गया।

छात्र-छात्राओं से अंतरिक्ष विज्ञान से संबंधित दर्जनों प्रश्न पूछे गए। विद्यालय की शिक्षिका कपिला पाराशर ने बताया कि 23 अगस्त 2023 को इसरो के द्वारा चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर विक्रम लेंडर उपग्रह को सफलतापूर्वक भेजने का काम किया गया था। प्राचीन वैदिक ग्रंथों में भी खगोल विज्ञान व अंतरिक्ष विज्ञान की चर्चा की गई। चंद्रमा पर उपग्रह भेजने वाला भारत विश्व का चौथा देश बन गया है।

यह रहे उपस्थित

कार्यक्रम में सायबी चौहान, सोनायड़ी सोलंकी, गोमती पटेल, सुलभा पाठक, विद्या नारखेड़े, दुलसिंह रंधावे, झेंदलिया डुडवे, राजेंद्र शर्मा, राजकमल नायक, दीपक झारिया, योगेंद्र, विजय राठौड़ उपस्थित थे।

वाटर ऑडिट में 'सबसे स्वच्छ शहर' का दावा बेनकाब : उमंग सिंघार

नव भारत न्यूज

इंदौर. नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने इंदौर जल-प्रदूषण कांड के बाद आज वाटर ऑडिट का निष्कर्ष बताते हुए कहा कि देश के सबसे स्वच्छ शहर का दावा बेनकाब हो गया है. शहर के अधिकांश इलाकों में पीने का गंदा और बदबूदार पानी सप्लाई किया जा रहा है.

वाटर ऑडिट में यह साफ हो गया है कि इंदौर का जल संकट कोई अपवाद नहीं, बल्कि भाजपा के शहरी शासन मॉडल की असफलता है. जब तक साफ़ पानी, जवाबदेही, पारदर्शिता और दोषियों पर ठोस कार्रवाई नहीं होती, तब तक विपक्ष जनता की इस लड़ाई को सड़क से सदन तक पूरी ताकत से लड़ता रहेगा. नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंगार ने कहा कि भगीरथपुरा से लेकर इंदौर के कई गरीब व मेहनतकश इलाक़ों तक नलों से आ रहा दूषित, बदबूदार और सीवरेज मिला पानी इस बात का प्रमाण है कि यह केवल एक इलाक़े की समस्या नहीं, बल्कि पूरे शहरी प्रशासन की असफलता है.

नेता प्रतिपक्ष ने सिंगार ने मुख्यमंत्री मोहन यादव पर कटाक्ष करते हुए कहा कि स्वच्छता के अवॉर्ड से लोग ज़िंदा नहीं रहते है. ज़िंदा रहने के लिए साफ़ पानी चाहिए, जो आपकी सरकार नहीं दे पा रही है. सिंगार ने मांग की है कि निगम के अधिकारी और महापौर सहित सभी जिम्मेदारों पर एफआईआर दर्ज कर कार्यवाई की जाए ताकि ऐसी घटना दोबारा ना हो.

कलेक्टर, निगम आयुक्त के खिलाफ याचिका दायर

- गैर इरादतन हत्या का मुकदमा दर्ज करने की मांग

नव भारत न्यूज

इंदौर. आज प्रथम श्रेणी न्यायिक मजिस्ट्रेट कोर्ट में भागीरथपुरा की घटना को लेकर मुकदमा दायर किया गया है. मुकदमे में कलेक्टर, निगमायुक्त, अपर आयुक्त, अधीक्षण अभियंता एवं अन्य अधिकारियों पर गैर इरादतन हत्या का प्रकरण दर्ज करने का परिवाद प्रस्तुत किया गया है.

एडवोकेट दिलीप नागर ने आज परिवादी रामू पिता रूपसिंह निवासी मोहता नगर, भागीरथपुरा के नाम से याचिका दायर की गई है. उक्त याचिका में भागीरथपुरा में

3 साल से दूषित पानी सप्लाई, टेंडर रोकने, शिकायत पर ध्यान नहीं देने और दूषित पानी से मौत होने एवं सैकड़ों की संख्या रहवासियों के बीमार होने का कारण बताया गया है. उक्त कारणों को आधार बनाकर अधिवक्ता दिलीप कुमार नागर ने धारा 223 भारतीय न्याय नागरिक सुरक्षा में प्रथम श्रेणी न्यायिक दंडाधिकारी की कोर्ट में परिवाद दायर किया है. इसके तहत कलेक्टर शिवम वर्मा,पूर्व निगम आयुक्त दिलीप कुमार यादव, अपर आयुक्त रोहित सिसोनिया, नर्मदा प्रभारी अधीक्षण यंत्री संजीव श्रीवास्तव और अन्य संबंधित अधिकारियों के खिलाफ बीएनएस की धारा 105,106,125 और 271 के तहत गैर इरादतन हत्या का प्रकरण दर्ज करने की याचिका लगाई गई है.

भागीरथपुरा जल कांड के आखिर कौन हैं असली गुनहगार..?

ओपी श्रीवास्तव

भागीरथपुरा में दूषित जल आपूर्ति ने एक बार फिर यह साबित कर दिया कि शहर के विकास मॉडल में चमक दमक भले ही दिखे, पर व्यवस्था की तकनीकी नींव कितनी कमजोर है! जिस शहर को स्वच्छता में देश का सर्वोच्च दर्जा मिलता रहा, वहीं के नागरिक जब प्रदूषित पानी पीने को मजबूर हों, तो यह केवल प्रशासनिक असफलता नहीं, बल्कि व्यवस्था की सोच पर भी गंभीर प्रश्न है.

दुर्भाग्य यह है कि इस पूरे प्रकरण को भी वही पुराना रास्ता मिला-जनप्रतिनिधि और प्रशासन एक-दूसरे पर दोष मढ़ते रहे, और जनता की परेशानी राजनीतिक बयानबाजी की भेंट चढ़ गई. सोशल मीडिया ने भी उसी दिशा में बहाव पकड़ा- किसने क्या कहा, किसने किसे घेरा— लेकिन मूल प्रश्न यह है कि असली गुनाहगार कौन है?

दृष्टिकोण

तकनीकी जिम्मेदारी सबसे बड़ी, लेकिन सबसे कम जांच- मध्यप्रदेश नगर पालिका अधिनियम, 1961 तथा नगर निगम अधिनियम, 1956 के अनुसार किसी भी सार्वजनिक निर्माण कार्य में डीपीआर सबसे महत्वपूर्ण दस्तावेज होता है. पाइपलाइन बिछाने से लेकर मार्ग निर्धारण, प्रदूषण की संभावना, सुरक्षा, निरीक्षण- इन सबकी प्राथमिक जिम्मेदारी इंजीनियरिंग तंत्र की होती है.

न्यायालय तक मामला पहुंचा, पर जांच अभी भी सतही

मामला माननीय उच्च न्यायालय तक पहुंच चुका है, मुख्य सचिव तक नोटिस जारी हो चुका है. यह कदम निश्चित ही गंभीरता का सूचक है, परंतु अदालत तक पहुंचना समाधान का अंत नहीं, बल्कि एक शुरुआत है. न्यायपालिका तभी प्रभावी निर्णय दे सकेगी, जब जांच तथ्य-आधारित हो, न कि 'औपचारिक'. इसलिए आवश्यक है कि बहस इस पर नहीं हो कि किसने आदेश दिया, किसने बयान दिया- बल्कि इस पर हो कि किसने अपनी तकनीकी जिम्मेदारी निभाने में चूक की.

एक नजर में स्थानीय लोगों में गहरी चिंता और आक्रोश, सिस्टम की जवाबदेही पर उठा रहे गंभीर सवाल

भागीरथपुरा में नई लाइन डालने में भी लापरवाही के लग रहे आरोप

नवभारत न्यूज

इंदौर. शहर के भागीरथपुरा में दूषित पानी से बीमारी फैलने के बाद भी नई पाइपलाइन डालने में लापरवाही और भ्रष्टाचार के आरोपों के बीच, स्थानीय लोग भयभीत हैं और प्रशासन व नेताओं पर अनदेखी का आरोप लगा रहे हैं, जिससे पानी की गुणवत्ता और पाइपलाइन की स्थिति को लेकर गहरी चिंता और आक्रोश है. यहां के रहवासी दूषित पानी से मौतें और सिस्टम की जवाबदेही पर गंभीर सवाल उठा रहे हैं.

भागीरथपुरा में दूषित पानी के कारण बीमारियां फैलीं और लैब रिपोर्ट में पानी में घातक बैक्टीरिया पाए गए, जिससे लोगों की जान को खतरा है. नई पाइपलाइन डालने के काम में देरी और अनदेखी की जा रही है, जिससे लोगों में अधिकारियों और नेताओं के प्रति अविश्वास है. लोग बाहर से चुप दिख रहे हैं, लेकिन अंदर ही अंदर उनमें भारी गुस्सा है और वे पाइपलाइन के काम में भ्रष्टाचार की आशंका जता रहे हैं. इस त्रासदी ने सिस्टम से जवाब मांगा है, क्योंकि जिस पानी से जीवन चलता है, वही मौत का कारण बन गया है. यह स्थिति भागीरथपुरा के निवासियों के लिए गंभीर चिंता का विषय है, जहां पानी की गुणवत्ता और बुनियादी सुविधाओं की कमी साफ दिख रही है और लोग जल्द से जल्द इस समस्या का समाधान चाहते हैं. करीब दो हफ्ते बाद क्षेत्र में कुछ सामान्य स्थिति की बात की जा रही है, लेकिन नवभारत द्वारा क्षेत्र का जायजा लेने पर कई बातें सामने आई हैं. पाइप लाइन में लीकेज ढूंढने के लिए क्षेत्र में सीवरेज लाईन के पाईट चेक किए जा रहे हैं, जहां सीवरेज लाईन बदली जा रही है, वहां देखा गया कि नगर निगम के बजट में बड़े पाईप पास किए गए, लेकिन साथ में छोटे पाईप भी डाले जा रहे हैं, जिससे आसपास के लोगों ने नाराजगी जाताई है. इसमें रहवासियों को भ्रष्टाचार का संदेह हो रहा है. दूसरी ओर, जहां क्षेत्र में डॉक्टरों की टीम हर गली में घर-घर घूम रही थी, अब वह भी कम होती नजर आ रही है. जिन मरीजों की असपताल से छुट्टी हो चुकी है, अभी वह पूरी तरह से ठीक नहीं हुए हैं. क्षेत्र में पानी की पूर्ति के लिए छोटे-बड़े पानी के 50 टैंकर लगा रखे हैं, जो पानी की पूर्ति नहीं कर पा रहे हैं. कई गलियों में टैंकर पहुंच ही नहीं रहा. जबकि घटना के बाद दो सौ टैंकर क्षेत्र में पानी वितरण कर रहे थे. निगम ने इसमें भी कटौती कर दी है. पानी को लेकर अब भी लोगों में बहुत ही डर देखने को मिल रहा है. लोग आरओ का पानी इस्तेमाल कर रहे हैं, जबकि निगम टैंकर का पानी दूसरे कार्यों में काम ले रहे हैं.

यह बोले रहवासी...

कार्य तो अच्छा चल रहा है, लेकिन जो पाईप हैं, वह भविष्य को देखते हुए बड़े डलने चाहिए, नहीं तो 5-6 साल बाद दोबारा समस्या बन सकती है. कार्य में गति भी लाई जाए, लोगों को काफी परेशानी हो रही है.

- राहुल बिंजवा

कहीं सीवरेज या पानी की लाईन लीकेज न हो, इसके लिए आगे से अब समय-समय पर लाईन की जांच करनी चाहिए. दोबारा ऐसा हादसा न हो, इसे ध्यान में रखकर पानी और सीवरेज की लाईन डालना चाहिए.

- देवेंद्र सांवलिया

पीने के पानी को लेकर सभी में डर बना हुआ है, निगम जो पानी के टैंकर क्षेत्र में पहुंचा रहा है, हम उसका पानी दूसरे काम में ले रहे हैं, पीने के लिए आरओ का पानी खरीदकर में ले रहे हैं.

- शकुंतला कटारिया

क्षेत्र में अधिकारी तो आ रहे हैं, डॉक्टर भी आ जाते हैं, पूछते हैं कोई बीमार तो नहीं पहले तो डॉक्टर यहीं बैठते थे, अब नहीं आ रहे हैं. पानी के नल तो बिलकुल बंद कर रखे हैं.

- रती बाई

नर्मदा पाइप लाईन और सीवरेज पाईट चेक कर रहे हैं. पहले तो सफाई नहीं होती थी, घटना के बाद से तो सभी दूर कार्य चल रहा है. अभी चार दिन पहले ही घरों के पीछे की लाईन साफ कर दी गई है.

- कमल कुशवाहा

पहले ही क्षेत्र में सफाई और ध्यान रखते तो ऐसी दुखद घटना नहीं होती, कितने लोग दुनिया से चले गए. दूषित पानी पीने से मैं खुद भी पांच दिन अस्पताल में भरती रही हूं, अभी

कमजोरी बहुत ज़्यादा है.

- मोहिनी तेंदोरिया

मेरे घर में दो लोग अभी भी बीमार हैं, मेरा पेट अभी तक फूला हुआ है, मर गए तो कौन उठाने आएगा. यहां अपने-अपने चहेतों को सुविधा पहुंचाते रहे हैं, किस को बोलें किसी को कोई फर्क नहीं पड़ता.

- गर्वेश दानी

राजू भटकारे वाली गली में कई लोगों को पानी के लिए परेशानी उठानी पड़ रही है. निगम के टैंकर सीधे निकल जाते हैं, रोको तो रुकते भी नहीं हैं, अधिकारी को कहो तो वह भी नहीं सुनते.

- ममता मांगले